मूल्य 1 रु.

वर्ष: 9 - अंक : 287, मुंबई, शनिवार, 1 फरवरी, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

दैनिक मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र सरकार के एजेंडे में है...

मुस्लिम आरक्षण

मुंबई। देश में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन के बीच महाराष्ट्र सरकार ने यह साफ किया था कि वह इस कानून के खिलाफ विधानसभा में बिल नहीं लाएगी। एक तरफ कांग्रेस की सरकार वाले राजस्थान और अन्य राज्यों में इस कानून के खिलाफ बिल पेश कर पारित कराए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उसके गठबंधन वाले महाराष्ट्र सरकार की 'ना' के बाद अब सूबे में मुस्लिमों के लिए आरक्षण की चर्चा है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

एक तरफ कांग्रेस की सरकार वाले राजस्थान और अन्य राज्यों में सीएए के खिलाफ बिल पेश कर पारित कराए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उसके गठबंधन वाले महाराष्ट्र सरकार की 'ना' के बाद अब सूबे में मुस्लिमों के लिए आरक्षण की चर्चा है।

कैबिनेट में हुई चर्चा

अंग्रेजों के काले कानून जैसा है सीएए

गरीबों को होगी परेशानी: उर्मिला मातोंडकर

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) के विरोध में ना केवल आम लोग बल्कि कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज ने भी अपनी आपत्ति दर्ज कराई है और इन स्टार्स ने विरोध प्रदर्शनों में भी हिस्सा लिया है। एक्ट्रेस और कांग्रेस की पूर्व नेता उर्मिला मातोंडकर ने सीएए को काला कानून बताया है। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर बात करते हुए उर्मिला ने कहा- एक बात मुझे लगता है कि आपको बतानी चाहिए कि जिस इंसान ने गांधीजी पर गोलियां चलाई थी वो इंसान कौन था, क्या वो इंसान मुसलमान था, क्या वो सिख या ईसाई था ? वो इंसान एक हिन्दू था। (शेष पृष्ठ 5 पर)

'करारा जवाब मिलेगा'

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की कांग्रेस-एनसीपी और शिवसेना की गठबंधन सरकार में शुरूआत से ही हलचल मची हुई है। विचारधाराओं से परे हटकर एक साथ आने वाली पार्टियां कई मुद्दों पर एक दूसरे के सामने आ चुकी हैं। अब एक बार फिर कांग्रेस और एनसीपी में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के मसले पर दो नेता आमने-सामने आ गए हैं।
(शेष पृष्ठ 5 पर)

इंदिरा पर दिए बयान पर महाराष्ट्र में रार, एनसीपी-कांग्रेस में आर-पार!

पहले भी हो चुकी है रार...

गौरतलब है कि महाराष्ट्र की इस सरकार में ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि साथी दल आमने-सामने आए हो। इससे पहले शिवसेना और कांग्रेस के बीच विनायक दामोदर सावरकर को लेकर विवाद हो चुका है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक सभा में कहा था कि वो राहुल गांधी हैं, राहुल सावरकर नहीं। जिसके जवाब में संजय राउत ने उनपर हमला बोला था और सावरकर का अपमान ना करने की सलाह दी थी। इसके अलावा संजय राउत के द्वारा ही एक बयान में इंदिरा गांधी और अंडरवर्ल्ड डॉन करीम लाला की मुलाकात के दावे पर भी विवाद हुआ था।

संक्षिप्त खबर

खुशखबरी: 2022 तक मुंबई में होगा डबल डेकर कॉरिडोर

मुंबई। वेस्टर्न और ईस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे से सफर करने वालों के लिए खुशखबरी है। 2022 तक मुंबई के दोनों हाइवे पर तीन स्तरीय यातायात व्यवस्था तैयार हो जाएगी। ट्रैफिक लोड कम करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। वेस्टर्न और ईस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे पर वाहनों की रफ्तार बढ़ाने के लिए डबल डेकर कॉरिडोर बनाने की योजना पर काम किया रहा है।

हाइवे के जिन स्थानों पर अधिक ट्रैफिक की समस्या होती है, वहां तीन स्तरीय परिवहन व्यवस्था का इंतजाम किया जाएगा। इसमें निचले हिस्से पर वाहन, फिर फ्लाइओवर और उसके ऊपर मेट्रो दौड़ेगी। हाइवे के जिन हिस्सों से मेट्रो गुजर रही है, वहां भी फ्लाइओवर के ऊपर मेट्रो चलेगी। मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण पहले ही दहिसर से मीरा-भाईंदर के बीच बन रहे मेट्रो 9 कॉरिडोर के मार्ग पर डबल डेकर ऐलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की घोषणा कर चुका है।

वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे को भारी ट्रैफिक से निजात दिलाने के लिए मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अंधेरी, गोरेगांव से बोरिवली के बीच और अंधेरी में डबल डेकर कॉरिडोर बनाने की योजना पर काम किया जा रहा है। 2020 के अंत तक एमएमआरडीए ने वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे को अत्याधुनिक बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए एमएमआरडीए ने विश्वस्तरीय सलाहकार की नियुक्ति भी की है। एमएमआरडीए के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, कंसल्टेंट की रिपोर्ट के उपरांत आगामी तीन महीनों में डिजाइन समेत अन्य आवश्यक काम पूरे कर लिए जाएंगे। इस वर्ष के अंत तक निर्माण कार्य की शुरूआत हो जाएगी।

इंदिरा गांधी पर बयान देकर राकांपा नेता घिरे

मुंबई। राकांपा नेता व राज्य के गृहनिर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड के उस बयान पर कांग्रेस ने नाराजगी व्यक्त की है जिसमें आव्हाड ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर लोकतंत्र का 'गला घोंटने' की कोशिश की थी। कांग्रेस ने आव्हाड को 'मुंहतोड़ जवाब' देने की धमकी दी है। कांग्रेस की धमकी के बाद अव्हाड ने बयान दिया कि उनके बयान को तोड़मरोड़ कर पेश किया गया। गृहनिर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड का बयान ऐसे समय आया है जब देश में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लेकर देश भर में विरोध प्रदर्शन जारी है। बुधवार को 'संविधान बचाओ संघर्ष समिति' द्वारा महाराष्ट्र के बीड में आयोजित एक समारोह में राकांपा के नेता ने कहा कि, 'आपातकाल लागू कर इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र का गला घोंटने की कोशिश की। उस समय किसी ने खुलकर इस पर बात नहीं की, लेकिन अहमदाबाद और पटना में इसका विरोध शुरू हुआ और जन शक्ति के दम पर इंदिरा गांधी की हार हुई।' आव्हाड ने आगे कहा था कि कहा,'जब भी हिटलर जन्म लेता है, वह तर्कवादियों और छात्रों से डरता है क्योंकि वे विद्रोही होते हैं इसलिए जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू)और अन्य विश्वविद्यालयों में छात्रों पर हमला हुआ।' आव्हाड ने कहा, 'संविधान के लिए खतरा पैदा करने वाली घटनाओं का विरोध करने वाले छात्रों की संख्या वर्तमान में अधिक नहीं है, लेकिन यह भविष्य में बढ़ सकती है।' गृहनिर्माण मंत्री ने आगे कहा कि, 'ना हिंदू और ना मुसलमान, लेकिन संविधान खतरे में है। भाजपा जो कर रही है करने दो। बस एक हाथ में तिरंगा और दूसरे में संविधान की एक प्रति थामे रखें और इस साजिश का विरोध करें।'

अंग्रेजों के काले कानून के जैसा है सीएए: उर्मिला मातोंडकर

मुंबई। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ सिनेमा जगत की तमाम हस्तियों के विरोध करने के बाद अब ऐक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने भी इस कानून की आलोचना की है। उर्मिला ने नागरिकता संशोधन कानून की तुलना अंग्रेजों के रॉलेट ऐक्ट से की है। रॉलेट ऐक्ट को ब्रिटिश शासकों ने 1919 में दूसरे विश्व युद्ध के बाद पास कराया था और इस कानून को इतिहास में काले कानून की संज्ञा दी जाती है।

गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर नागरिकता संशोधन कानून की आलोचना करते हुए उर्मिला मातोंडकर ने कहा,'1919 में दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने बाद अंग्रेज यह समझ गए थे कि हिंदुस्तान में उनके खिलाफ असंतोष बढ़ रहा है। इसलिए उन्होंने रॉलेट ऐक्ट जैसे एक कानून को भारत में लागू कराया। 1919 के इस रॉलेट ऐक्ट

और 2019 के सिटिजनशिप अमेंडमेंट ऐक्ट को अब इतिहास के काले कानून के रूप में जाना जाएगा।' बता दें कि उर्मिला से पहले बॉलीवुड से जुड़े तमाम अन्य लोगो ने भी नागरिकता संशोधन कानून की आलोचना की थी। अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, फिल्म निर्माता मीरा नायर, गायक टीएम कृष्णा, लेखक अमिताव घोष, इतिहासकार रोमिला थापर समेत 300 से ज्यादा हस्तियों ने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और नैशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) का विरोध करने वाले छात्रों और अन्य के साथ एकजुटता प्रकट की है। 'इंडियन कल्चरल फोरम' में 13 जनवरी को प्रकाशित हुए बयान में इन हस्तियों ने कहा कि सीएए और एनआरसी भारत के लिए 'खतरा' हैं।

बता दें कि उर्मिला मातोंडकर 2019 के चुनाव से पहले मुंबई में कांग्रेस पार्टी की सदस्य बनी थीं। उर्मिला पूर्व में कांग्रेस के टिकट पर मुंबई उत्तरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुकी हैं। हालांकि 2019 के चुनावी मैदान में उर्मिला मातोंडकर को हार का सामना करना पड़ा था।

रेलवे ने पकड़ा अब तक का सबसे बड़ा टिकट बुकिंग गैंग, सेकंडों में खरीद लेते थे देश के आधे टिकट

मुंबई। रेलवे ने शायद अभी तक का सबसे बड़ा टिकट बुकिंग गैंग पकड़ा है जो बाकायदा एक कॉर्पोरेट कंपनी की तरह काम करता था। इसके सॉफ्टवेयर इंजिनियरों की एक टीम दुबई में थी, भारत में उसके कंट्री हेड, सुपर एडमिन, लीड सेलर्स और करीब 20 हजार से ज्यादा एजेंट थे। इनके कंप्यूटर यूगोस्लाविया के आईपी अड्रेस पर काम करते थे।

रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) को इस घोटाले की जड़ तक पहुंचने में करीब दो महीने लग गए। आरपीएफ के अनुसार इस पूरे गैंग का मास्टर माइंड हामिद अशरफ नाम का शख्स है जो दुबई में रहता है। अशरफ को साल 2016 में यूपी के गोंडा से टिकटों की धांधली के केस में अरेस्ट किया गया था। जांचकताओं का मानना है कि वह साल 2019 में यूपी में हुए बम ब्लास्ट में भी शामिल था।

पिछले कुछ हफ्तों में आरपीएफ ने 26 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें गिरोह का इंडिया हेड गुलाम मुस्तफा भी शामिल है। इसे 19 जनवरी को बेंगलुरु से अरेस्ट किया गया। गैंग के पश्चिमी रीजन के रीजन हेड, दीपल साहा उर्फ डैनी साहा को बोरिवली में पश्चिम एक्सप्रेस से 22 जनवरी को पकड़ा गया। वह गुजरात भागने की फिराक में था।

आरपीएफ ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि यह गैंग ऑन लाइन बुकिंग शुरू होने के महज 40 सेकंडों में देश में बेचे

जाने वाले औसतन आधे टिकटों को खरीद लेता था। इसके लिए उसके 20 हजार एजेंट एक ऐसा सॉफ्टवेयर इस्तेमाल करते थे जिनकी वजह से उन्हें सिक्युरिटी क्लियरेंस की जरूरत नहीं पड़ती थी बल्कि ओटीपी जनरेट करने और उसे सबमिट करने के झंझट से भी मुक्ति भी मिल जाती थी।

आरपीएफ के एक सीनियर अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि अब जांचकर्ता ऐसे गैंग मेंबर की खोज कर रहे हैं जिसे सब 'गुरु जी' के नाम से जानते हैं। ऐसा लगता है कि वही गिरोह में फंड का मैनेजमेंट करता था।

बीएमसी के 25 स्कूलों में शुरू होगी ई-लाइब्रेरी

मुंबई। बीएमसी ने अपने 25 स्कूलों में ई-लाइब्रेरी शुरू करने का फैसला किया है। इसके लिए बीएमसी प्रत्येक स्कूल में 1.58 लाख रुपये खर्च करेगी। प्रत्येक लाइब्रेरी में करीब 100 ई-बुक छात्रों के लिए उपलब्ध होंगी। इसका लाभ 5वीं से 10वीं तक के छात्र उठा सकेंगे। लाइब्रेरी में सभी 3,000 किताबें पीडीएफ फॉर्मेट में होंगी। जो इंग्लिश और मराठी भाषा में उपलब्ध होंगी। बीएमसी इसे पायलट प्रॉजेक्ट के रूप में स्कूलों में लागू करेगी। इस योजना पर कुल 38 लाख रुपये खर्च होने की उम्मीद है। बीएमसी शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इसे 300 अन्य स्कूलों में भी शुरू किए जाने की योजना है। जिन स्कूलों में कम्प्यूटर लैब हैं, वहां ई-लाइब्रेरी शुरू की जा सकती हैं।

ये लाइब्रेरी कक्षा 5 से 10 तक के छात्रों के लिए होंगी। इन लाइब्रेरियों में एनिमेटेड टेक्स्टबुक, विषय से संबंधित शब्दावली, व्याकरण, महापुरुषों की आत्मकथाएं, ऑडियो-विजुअल पुस्तकें आदि शामिल हैं। साथ ही पाठ्यपुस्तकें पीडीएफ प्रारूप में भी होंगी और यह अंग्रेजी और मराठी भाषाओं में उपलब्ध होंगी। ई-लाइब्रेरी के संचालन के लिए लाइब्रेरियन और शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ठाणे में बस के लिए नहीं करना होगा आपको इंतजार

ठाणे। ठाणे मनपा परिवहन सेवा की बसों में सफर करने वाले तमाम यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। यात्रियों को बसों की सही जानकारी मिल सके, इसके लिए टीएमटी प्रशासन की तरफ से 'वेयर इज माइ टीएमटी बस' ऐप को री लॉन्च किया गया है। इसके साथ ही शहर के तमाम बस स्टेंडों पर डिजिटल डिस्प्ले लगाया जा रहा है।

रेलवे स्टेशनों की तर्ज पर बसों की प्रतीक्षा करने वाले यात्रियों को डिजिटल बोर्ड से आने वाली बस के बारे में जानकारी मिल सकेगी। टीएमटी के 98 रूटों पर 310 बसें चलती हैं और कुल 450 बस स्टैंड हैं। बसों पर लगे जीपीएस से बसों के आवागमन की जानकारी ऐप के जरिए यात्रियों को मिलेगी। इसके साथ टीएमटी प्रशासन की नजर बसों के संचालन में लगे कर्मचारियों पर बनी रहेगी। मुंबई में भी इसी तरह की ऐप सुविधा मिल रही है, लेकिन उसका कोई विशेष फायदा अब तक लोगों को नहीं मिल पाया है।

वैसे तो 'वेयर इज माइ बस' नाम से ऐप को टीएमटी की तरफ से करीब दो साल पहले शुरू किया गया था और उसमें कर्मचारी मैनुअली जानकारी फीड करते थे । तकनीकी खामियों की वजह से वह ठीक तरह से नहीं चलता था और लोगों को जानकारी नहीं मिलती थी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक- **दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

शरजील इमाम पर शिवसेना के रुख से महाराष्ट्र सरकार में तकरार के आसार

मुंबई। असम को पूर्वोत्तर और देश से अलग करने का बयान देने वाले जेएनयू छात्र शरजील इमाम की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस बीच महाराष्ट्र में सत्ताधारी शिवसेना ने अपने संपादकीय में शरजील पर जो रुख दिखाया है, उससे वहां की महाविकास अघाडी सरकार में तकरार हो सकती है। एनसीपी और कांग्रेस के समर्थन से राज्य में शिवसेना गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रही है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में भड़काऊ और देशविरोधी बयाने देने वाले शरजील पर मोदी सरकार के ऐक्शन का समर्थन किया है।

सामना के संपादकीय में लिखा गया है, 'नागरिकता कानून के विरोध में देशभर में प्रदर्शन और आंदोलन शुरू है। लेकिन इस पूरे आंदोलन के दौरान किसी ने भी देश विरोधी वक्तव्य नहीं दिया था। इन सब आंदोलनों पर टांग ऊपर करने का काम शरजील इमाम ने दिया। शरजील के भाषण सिर्फ भड़काऊ ही नहीं, बल्कि देश विरोधी भी थे। चिकन नेक मुस्लिमों का ही है। ऐसा बयान देकर शरजील ने देश के मुस्लिम समाज का सिर कलम कर दिया है। चिकन नेक अर्थात मुर्गी की गर्दन। पूर्वोत्तर के राज्यों को देश से जोड़नेवाले 22 किलोमीटर के हाइवे को चिकन नेक कहा जाता है। इस चिकन नेक की गर्दन काटने के सपने देखनेवाले शरजील का हाथ उखाड़कर चिकन नेक हाइवे पर टांगना चाहिए।'

शिवसेना ने केंद्र सरकार का समर्थन करते हुए लिखा है, 'शाहीन बाग सहित देशभर में जो आंदोलन शुरू हैं, उसमें से हर किसी ने शरजील के बयान पर विरोध जताया और कहा कि इस देशद्रोही को गिरफ्तार करो। गृहमंत्री अमित शाह सभा से पूछते हैं, तुमने शरजील की विडियो देखी क्या? कन्हैया कुमार के शब्दों से भी वे अधिक घातक हैं। शरजील ने असम को हिंदुस्तान से तोड़ने की बात की है। हालांकि उसकी सात पीढ़ियों तक भी यह संभव नहीं है। हम केंद्रीय गृहमंत्री के इस जोरदार बयान से सहमत हैं। पिछले 5 वर्षों में देश तोड़ने की बात क्यों बढ़ रही है और ऐसा बोलनेवालों में पढ़े-लिखे नौजवानों की संख्या ज्यादा क्यों है? ये शोध का विषय है। शरजील जेएनयू से पीएचडी कर रहा है और आईआईटी मुंबई का पूर्व छात्र है। ऐसे युवकों के दिमाग में जहर कौन बो रहा है। इस पर प्रकाश डालना होगा।'

शिवसेना के इस रुख की वजह से कांग्रेस के साथ उसका सीधा टकराव हो सकता है, क्योंकि कांग्रेस सीएए और एनआरसी के खिलाफ देशभर में चल रहे विरोध प्रदर्शन में काफी सक्रिय है। इसके साथ ही एनसीपी से भी शिवसेना की अनबन हो सकती है। भीमा-कोरेगांव के बाद एनसीपी ने सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों पर यलगार परिषद केस थोपने का आरोप लगाया है। सामना में लिखा है, 'महाराष्ट्र के यलगार मामले में गिरफ्तार सभी लोग समाज के नामी-गिरामी विद्वान और विचारक हैं और उन पर भी शरजील की तरह देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। मुसलमान और हिंदुओं में कलह बढ़े, इराक, अफगानिस्तान की तरह कभी समाप्त न होने वाली अराजकता और गृहयुद्ध चलता रहे, इस प्रकार के प्रयास शुरू हैं।

शिवसेना साथ आए, तो अब भी बना सकते हैं सरकारः मुनगंटीवार

मुंबई। महाराष्ट्र बीजेपी के वरिष्ठ नेता और राज्य के पूर्व वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि अगर शिवसेना साथ आने को तैयार हो, तो बीजेपी आज भी सरकार बनाने को तैयार है। उन्होंने कहा कि शिवसेना बीजेपी का प्राकृतिक मित्र दल है। अगर वह आज भी साथ सरकार बनाने का प्रस्ताव देती है, तो बीजेपी की तरफ से सरकार बनाने में कोई अड़चन नहीं है।

कुछ दिन पहले भविष्य में एमएनएस के साथ गठबंधन की संभावना व्यक्त करने वाले मुनगंटीवार ने कहा कि फिलहाल हमें एमएनएस के साथ की कोई जरूरत नहीं है और न ही एमएनएस की तरफ से ऐसा कोई प्रस्ताव आया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की नीति समान विचार वाले दलों को साथ लेने की है। हालांकि, लगे हाथ उन्होंने यह भी कहा कि मातोश्री की ताकत कम होने से ही दिल्ली की 'मातोश्री' की ताकत बढ़ी है।

मुनगंटीवार ने कहा कि कांग्रेस द्वारा शिवसेना का समर्थन किया जाना 21वीं सदी का आश्चर्य है। उन्होंने कहा कि राज्य की महा विकास आघाडी की सरकार की हालत वेंटिलेटर पर पड़े मरीज जैसी है। यह सरकार कितने दिन चलेगी कहा नहीं जा सकता, क्योंकि इतिहास इस बात का गवाह है कि अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियों की सरकार ज्यादा समय नहीं टिकती।

एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस और नितिन गडकरी की तारीफ की थी। उन्होंने राज्य के विकास का श्रेय उन्हें दिया था। साथ ही बांद्रा-वर्ली सी-लिंक बनाकर बालासाहेब ठाकरे का सपना पूरा करने के लिए भी धन्यवाद दिया था। बता दें कि महाराष्ट्र में शिवसेना ने बीजेपी से अलग होकर कांग्रेस और एनसीपी के साथ सरकार बनाई थी।

आर्थर रोड जेल में कसाब की कोठरी के कारण बैरक के काम का खर्च बढ़ा

मुंबई। मुंबई में आर्थर रोड जेल में एक बैरक के निर्माण के लिए 13 साल पहले आवंटित राशि का अधिकतर हिस्सा 26/11 आतंकवादी हमले के दोषी अजमल कसाब की कोठरी की भारी सुरक्षा व्यवस्था पर खर्च होने के कारण अब इस परियोजना का खर्च बढ़कर करीब दोगुना यानी 4.49 करोड़ रुपये हो गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

महाराष्ट्र के गृह विभाग ने मध्य मुंबई में आर्थर रोड जेल में बैरक-1 के निर्माण और इलेक्ट्रिफिकेशन के लिए अनुमानित नई दर के आधार पर कोष आवंटित करते हुए सोमवार को सरकारी संकल्प (जीआर) जारी किया। एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा, 'जेल विभाग को केंद्र सरकार की कारा सुधार योजना के तहत बैरक के दो मंजिला ढांचे के निर्माण के लिए 2006-07 वित्तीय वर्ष में 2.62 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।'

उन्होंने कहा, 'ये रकम तब की मौजूदा दरों के आधार पर आवंटित की गई थी। हालांकि 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी मोहम्मद अजमल आमिर कसाब को जेल लाए जाने के बाद उसे रखने के उद्देश्य से उच्च सुरक्षा वाली कोठरी के निर्माण को प्राथमिकता दी गई।' अधिकारी ने बताया, 'बैरक निर्माण के लिए आवंटित रकम का अधिकतर हिस्सा इसके बाद उच्च सुरक्षा वाली कोठरी के निर्माण में लगा दिया गया। शेष रकम को बैरक के भूतल निर्माण पर खर्च किया गया।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और कारा विभाग ने नया प्रस्ताव पेश किया, जिसमें परियोजना के लिए अनुमानित लागत बढ़कर 4.49 करोड़ रुपये हो गई है। कसाब समेत 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 26 नवंबर 2008 की रात शहर में मुख्य स्थानों पर हमले किए थे। आतंकवादियों के हमले में 166 लोग मारे गए थे और 600 अन्य घायल हुए थे। दक्षिण मुंबई में मरीन ड्राइव में मुंबई पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान नौ आतंकवादियों को मार गिराया गया था जबकि कसाब को जिंदा पकड़ लिया गया था।

अंडरवर्ल्ड के खूंखार अपराधी पहुंचे जेल तो मुंबई पुलिस से वापस ली 9 बिल्डरों की सिक्यॉरिटी

मुंबई। अंडरवर्ल्ड के तमाम खूंखार अपराधियों के जेल में जाने के बाद मुंबई पुलिस ने अब राहत की सांस ली है। हाल ही में मुंबई पुलिस ने मुंबई के 9 ऐसे बिल्डरों की सिक्यॉरिटी वापस ली है, जिन्होंने अंडरवर्ल्ड से धमकी मिलने के बाद अपनी जान को खतरा बताया था। पुलिस के मुताबिक, सुरक्षा की समीक्षा के दौरान ही बिल्डरों की सिक्यॉरिटी को वापस लेने का निर्णय हुआ है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि सलाना समीक्षा प्रक्रिया के पूरे होने के बाद कुछ अन्य बॉलीवुड स्टार्स और वीआईपी लोगों की सुरक्षा कम की जा सकती है। बता दें कि बीते कुछ महीनों में मुंबई पुलिस ने तमाम सुरक्षा एजेंसियों की मदद से अंडरवर्ल्ड के तमाम बड़े चेहरों को अपनी गिरफ्त में लिया था। अंडरवर्ल्ड डॉन रवि पुजारी को कुछ महीने पहले सेनेगल से अरेस्ट किया गया था। इसके अलावा बंटी पांडेय और छोटा राजन भी गिरफ्तारी के बाद से दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। हाल ही में मुंबई पुलिस ने गैंगस्टर एजाज लकड़ावाला को बिहार से अरेस्ट किया था। ऐसे में सुरक्षा की समीक्षा करने के बाद पुलिस ने कुल 9 बिल्डरों की सुरक्षा वापस ली है। इन बिल्डरों को पूर्व में रंगदारी समेत अन्य मामलों में धमकी मिलने के बाद सुरक्षा दी गई थी। मुंबई पुलिस के जॉइंट कमिश्नर (क्राइम) ने कहा कि क्राइम ब्रांच ने हाल ही में सुरक्षा समीक्षा के बाद 9 लोगों की सिक्यॉरिटी वापस ली है। कई गैंगस्टर अब जेल में हैं, ऐसे में यह किसी भी तरह से किसी को धमकी नहीं दे सकते। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में खालिद बाबू कुरैशी नाम के एक बिल्डर समेत 9 लोगों की सिक्यॉरिटी वापस ली गई है। यह सभी लोग वही हैं, जो कि एजाज लकड़ावाला की हिट लिस्ट में शुमार कहे जा रहे थे। कुरैशी महारा

बाइक पर 'खानसाहब' लिखवाने वाला ट्विटर पर हुआ ट्रोल, पुलिस ने चालान काट सोशल मीडिया पर दिया जवाब

पुणे। बाइक पर फैंसी नंबर प्लेट लगवाना एक युवक को भारी पड़ गया। उसने अपनी बाइक के पीछे लगी नेम प्लेट पर' खानसाहब' लिखा हुआ था। बाइक की नेम प्लेट की तस्वीर खींच कर एक यूजर ने ट्विटर पर पोस्ट कर दी और उसमें पुणे की ट्रैफिक पुलिस को टैग कर दिया। पुलिस ने इस पर एक्शन लेते हुए पहले ट्विटर पर मजेदार तरीके से जवाब दिया और फिर बाइक का चालान करके उसे पोस्ट कर दिया।

- बाइक की नेम प्लेट की तस्वीर खींच यूजर ने ट्विटर पर पोस्ट करते हुए पुणे पुलिस को टैग कर दी
- जवाब में पुणे पुलिस ने बाइक का चालान काटकर उसे ट्विटर पर सार्वजनिक भी कर दिया

यूजर ने ट्रैफिक पुलिस को किया टैग-

बाइक की फैंसी नंबर प्लेट की तस्वीर को ट्विटर पर पोस्ट करने वाले ने लिखा, 'खानसाहब बिना हेलमेट के फैंसी नंबर प्लेट लगाकर गाड़ी चला रहें हैं, इन पर जरूरी कार्रवाई की जाए।'

पुणे पुलिस का ट्विटर पर जवाब

यूजर के इस ट्वीट पर पुणे पुलिस ने जवाब देते हुए लिखा- 'खान साहब को हेयर स्टाइल भी दिखाना है, खान साहब को हीरो वाली बाइक भी चलाना है, पर खान साहब को ट्रैफिक रूल्स फॉलो नहीं करना, ऐसे कैसे चलेगा खान साहब।'

सीएए के विरोध में नारे लगाने पर 37 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

पुणे के कोथरुड इलाके में गांधी भवन के बाहर प्रदर्शन करने और बिना अनुमति नारे लगाने पर 37 लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज

मुंबई। नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में शुक्रवार को पुणे के कोथरुड इलाके में गांधी भवन के बाहर प्रदर्शन करने और बिना अनुमति के नारे लगाने के कारण आईपीसी की धारा 143 के तहत 37 लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है।

गौरतलब है कि देश भर में एनआरसी और सीएए को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहा है। बुधवार को महाराष्ट्र में बहुजन क्रांति मोर्चा ने सीएए, एनआरसी और एनपीआर के विरोध में भारत बंद का आह्वान किया था। जिसमें 20 से अधिक पार्टी के कार्यकताओं ने कांजुरमार्ग रेल ट्रैक पर बैठ प्रदर्शन किया था। जिससे लोकल ट्रेन 10 मिनट की देरी से चली थीं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और आम जनता के बीच झड़प भी हुई थीं। पुणे के गोलीबार मैदान में सीएए का विरोध करने के लिए भीड़ उमड़ आयी इस दौरान पुलिस ने 250 लोगों को हिरासत में ले लिया। इसके समीप पालघर में भी बहुजन क्रांति मोर्चा के कार्यकताओं ने जबरदस्ती दुकान बंद करवाने की कोशिश की।

जिसे प्रदर्शनकारियों और दुकानदारों में झगड़ा हो गया। इसके बाद किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना न हो इसके लिए पुलिसबल तैनात कर दिया गया था। प्रदर्शन की वजह से लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। लोकल ट्रेनों को कंजुरमार्ग रेलवे स्टेशन तक ही चलाया जा रहा है, जिससे आम जनता को अपने गंतव्यों तक पहुंचने में भारी असुविधा हो रही है।

58 वर्षीय बुजुर्ग नें किया नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास

मुंबई। अंधेरी पूर्व की एक सोसाइटी में 12 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के प्रयास में पुलिस ने 58 वर्षीय ज्वेलर को हिरासत में ले उस पर पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मुंबई के अंधेरी पूर्व की एक बिल्डिंग में 12 वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म के प्रयास के आरोप में एक 58 वर्षीय बुजुर्ग को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि विकृत मानसिकता का ये आरोपी सोसाइटी के अंदर घुस गया था और वहां अपने दोस्तों के साथ खेल रही बच्ची से ये घिनौना कृत्य करने की कोशिश की। पीड़िता वहां से भागने में सफल रही और उसने सारी आपबीती अपने माता-पिता को बता दी।

हालांकि इस घटना के बाद भी आरोपी संतुष्ट नहीं हुआ और उसने सीढ़ी के साथ आप्राकृतिक यौन क्रिया करने लगा। ये सारी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। आरोपी की पहचान अंधेरी ईस्ट में जेबी नगर निवासी तेजतरल सुमिरल जैन के रूप में हुई। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी की अंधेरी में आभूषण की दुकान थी लेकिन कुछ माह पहले ही उसने ये दुकान बंद कर दी थी। आरोपी की पत्नी की पिछले साल मौत हो गई थी और उसके दो बेटे यूनाइटेड किंगडम (वङ) में रहते हैं।

पीड़िता कक्षा छह की छात्रा है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार चौंकाने वाली ये घटना 20 जनवरी को अंधेरी स्थित मल्टीस्टोरी सोसाइटी में हुई थी। आरोपी ने लड़की को अपने चार दोस्तों के साथ खेलते हुए देखा। लगभग 11.00 बजे आरोपी ने सोसाइटी के अंदर प्रवेश किया। उसके बाद उसने पीड़िता का पीछा किया और उसे पकडने की कोशिश की लेकिन पीड़िता सीढियों से भागने में सफल रही। आरोपी सीढियों पर उसका पीछा करता रहा लेकिन पीड़िता लिफ्ट में चढ़ अपने घर पहुंचने में सफल रही और उसने पूरी घटना अपने माता-पिता को सुनाई। उसके बाद माता-पिता ने आरोपी को पूरे इलाके में खोजा, लेकिन वह नहीं मिला। बाद में वे अंधेरी पुलिस स्टेशन पहुंचे और पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी को सीढ़ी तक लड़की का पीछा करते देखा गया था। बाद में आरोपी सीढ़ी पर आप्रकृतिक यौन क्रिया करने लगा। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में 10-12 साल की उम्र के अन्य चार बच्चों को देखा गया था, लेकिन पीड़िता की सतर्कता के कारण अन्य सभी बच्चे मौके से भाग गए और अपने घर पर सुरक्षित पहुंच गए।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाराष्ट्र सरकार के एजेंडे में है मुस्लिम आरक्षण

सूत्रों की मानें तो मुसलमानों के लिए नौकरियों और प्रमोशन में आरक्षण शिवसेना के नेतृत्व वाले महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के एजेंडे में है। सूत्रों ने दावा किया कि उद्धव कैबिनेट की पिछली बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा भी हुई। बुधवार को हुई कैबिनेट की मीटिंग में इस पर विस्तार से चर्चा की गई कि इसके लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं। गौरतलब है कि साल 2014 से पहले जब सूबे में कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सरकार थी, तब मराठा के लिए 16 और मुसलमानों के लिए 5 फीसदी आरक्षण का प्रावधान ऑर्डिनेंस लाकर किया गया था। चुनाव हुए, तब भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना गठबंधन की सरकार सत्ता में आ गई। नई सरकार ने मराठा आरक्षण बरकरार रखा, लेकिन मुसलमानों के लिए आरक्षण पर कोई कदम नहीं उठाया। यह अध्यादेश लैप्स हो गया था। तब भाजपा के साथ शिवसेना सत्ता में साझीदार थी, जब मुस्लिम आरक्षण के लिए अध्यादेश लैप्स हो गया था। हालांकि इसके बाद शिवसेना ने पिछले दिनों कई बार मुस्लिम आरक्षण का राग अलापा था। बता दें कि उद्धव सरकार में मंत्री और एनसीपी के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक ने सीएए के खिलाफ राज्यों में विधानसभा से पारित कराए जा रहे प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। मलिक ने साफ किया था कि सीएए राज्यों के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। जो राज्य इस कानून को लागू नहीं करने की बात कह रहे हैं, वह जनता की भावनाओं से खेल रहे हैं।

'करारा जवाब मिलेगा'

एनसीपी नेता जितेंद्र अव्हाड ने इंदिरा गांधी के द्वारा लगाई गई इमरजेंसी को लोकतंत्र का गला घोंटना बताया था, तो अब कांग्रेस के अशोक चव्हाण ने उन्हें करारा जवाब देने की बात कही है। कांग्रेस पार्टी से ही अलग होकर बनी राष्ट्रवादी पार्टी अब देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के मुद्दे पर आमने-सामने है। एनसीपी नेता और राज्य सरकार में मंत्री जितेंद्र अव्हाड ने संविधान बचाओ के नारे के साथ बुलाई गई एक रैली में कहा कि इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया, जिसके बाद जेपी को आंदोलन करना पड़ा था। इतना ही नहीं एनसीपी नेता ने मौजूदा हालातों का हवाला देते हुए कहा था कि जब इंदिरा गांधी ने देशपर आपातकाल थोपने की कोशिश की तो छात्रों ने आंदोलन किया। छात्रों के आंदोलन के बाद जेपी का आंदोलन शुरू हुआ, जिसने इंदिरा गांधी की सरकार को गिरा दिया। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने के चक्कर में एनसीपी नेता सत्ता में अपने ही साथ खड़ी पार्टी को खफा कर बैठे। हालांकि, विवाद के बाद उन्होंने सफाई में कहा कि उनके बयान को तोड़मरोड़ कर पेश किया गया। एनसीपी नेता के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर इस तरह सवाल उठाना कांग्रेस को बिल्कुल भी नहीं भाया और तुरंत पार्टी की ओर से रिएक्शन सामने आया। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने ट्विटर पर जितेंद्र अव्हाड को जवाब दिया। उन्होंने लिखा, इंदिरा गांधी का जीवन देश की एकता और अखडंता के लिए बीता है, पूरी दुनिया इंदिरा जी का सम्मान करती है। जितेंद्र अव्हाड ने भले ही सही समय पर खुलासा कर दिया हो, लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि अगर कोई हमारे नेता का अपमान करेगा तो करारा जवाब मिलेगा।

अंग्रेजों के काले कानून जैसा है सीएए

अब इसके अलावा इस बारे में मैं यहां क्या कहूं क्योंकि ये बात हम सबके लिए इतनी भयानक है, इस बात को हर दिन सुबह उठकर दिमाग में रखना इतना भयानक है कि इस बात में कई चीजें शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि 'वर्ष 1919 में दूसरा विश्वयुद्ध खत्म होने के बाद ब्रिटिशर्स को पता था कि हिंदुस्तान में असंतोष फैल रहा है और ये असंतोष बाहर आने वाला है इसलिए वो एक कानून लेकर आए थे। उस कानून का नाम काफी लंबा हैं लेकिन वो रोलेट एक्ट के नाम से मशहूर हुआ क्योंकि वो कानून रोलेट के डेलिगेशन द्वारा लाया गया था। उस कानून के मुताबिक किसी भी शख्स को देश विरोधी गतिविधियां करने पर बिना किसी पूछताछ और सबूत के जेल में डालने की अनुमति सरकार को थी। उन्होंने आगे कहा कि ये कानून काफी खतरनाक था। वो 1919 का कानून और आज 2019 का सीएए कानून है। ये दोनों कानून इतिहास में काले कानून के नाम से दर्ज होंगे। आज जिस तरह लोग रास्ते पर उतर रहे हैं और उस वक्त जिस तरह से लोग रास्ते पर उतरे थे मैंने वो वक्त देखा तो नहीं लेकिन जिस तरह से मैंने पढ़ा है ये उसकी याद दिलाते हैं। ये कानून गरीबों के खिलाफ हैं और वो गरीब कोई भी गरीब शख़्स हो सकता है। ऐसा एहसास दिलाया जाता है कि ये कानून मुसलमानों के खिलाफ है। लेकिन उसके अलावा आज कहीं न कहीं 15 प्रतिशत मुसलमानों का डर 85 प्रतिशत हिंदुओं को बताकर उनपर अंकुश लगाने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि उर्मिला के अलावा कई बॉलीवुड सितारों ने भी सीएए-एनआरसी के खिलाफ आवाज उठाई है।

वीरविधि इंटरप्राइजेज शुक्लागंज उन्नाव उत्तर प्रदेश द्वारा महिला संसक्ति कारण के क्रम में एक अनूठी पहल

2020 को स्थान अवस्थी पार्क बाँदा में वीरविधि इंटरप्राइजेज शुक्लागंज उन्नाव उत्तर प्रदेश द्वारा महिला संसक्ति कारण के क्रम में एक अनूठी वैज्ञानिक पहल की शुरूवात की गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं में जागरूकता हेतु "Vmine5" सेनेट्री नैपकिन की लॉन्चिंग की शुरूवात माननीय संपत पाल रास्ट्रीय कमांडर गुलाबी गैंग वा कॉमेडियन कलाकार सुनील पाल व उनकी पत्नी श्रीमती सरिता पाल व विवेक बाजपई तथा ऐक्टर कैश खान वारसी के संयुक्त तत्वाधान में सम्पन्न हुआ। इस आयोजन को मैनेज किया फिल्म डायरेक्टर अजर हुसैन ने। सर्वविदित हो कि महिलाओं के स्वक्षता के प्रति वैज्ञानिक विधि अनुसार जागरूकता पौदा करने के मूल उद्देश्य से किया गया है। वर्तमान में भारत की महिला जनसंख्या का मात्र 18% महिलाएं ही इस प्रकार के स्वस्थ संबन्धु उत्पादों का उपयोग करती है। जबकि चीन में महिलाओं की जनसंख्या का 80% महिलाये ऐसे उसे उपयोग करती है। जो महिलाएं सेनेटरी नैपकिन का प्रयोग नही करती उन्हें अधिकांशतः विभिन्न प्रकार की बीमारियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए उस इस प्रकार के सेनेटरी नैपकिन का प्रयोग बना किसी लज्जा के जीवन रक्षक के रूप में अधिकाधिक महिलाओं द्वारा प्रयोग में लिए जाने योग्य है। वीरविधि इंटरप्राइजेज कंपनी का पूर्ण प्रयास है कि सबसे सस्ते दामों में गांव गांव तक इसे उपलब्ध कराया जाए। महिलाओं के स्वस्थ रक्षक "Vmine5" सैनिटरी नेपकिन को प्रदान करने हेतु दृढ़ संकल्पित है।

एमव्हीएसटीएफ ने पहला मोबाइल वैन को-ऑप शॉप का शुभारंभ किया

स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने के लिये महाराष्ट्र विलेज सोशल ट्रांसफॉर्मेशन फाउंडेशन (MVSTF) ने हाल ही में खारघर और ठाणे में पहली को-ऑप शॉप और मोबाइल वैन को-ऑप शॉप लॉन्च की। खारघर में सिद्धिविनायक दर्शन सोसाइटी में बोरी बुद्रुक ग्राम पंचायत के किसान अब सीधे खेतों से माल को उपभोक्ताओं तक पहुंच सकेंगे। इसका लक्ष्य है महाराष्ट्र के सुदूर भागों के स्वयं-सहायता समूहों और किसानों के लिये अवसरों का निर्माण करना। यह उत्पाद मुख्य रूप से कृषिगत हैं और राज्य के आदिवासी क्षेत्रों के गैर-कृषि उत्पाद हैं। यह पहल किसानों को किसी तीसरे पक्ष की संलग्नता के बिना बड़े बाजारों तक सीधी पहुँच देगी। इससे किसानों को अपने उत्पादों का अच्छा मूल्य मिलेगा। ऐसा पहली बार हो रहा है कि स्वयं-सहायता समूह के उत्पादों को वर्षभर बैकवर्ड और फोरवर्ड लिंकेज मिलेगी। पहले चरण में गढ़चिरोली, चंद्रपुर, नंदुरबार, यवतमाल और

अकोला जैसे जिलों के विभिन्न गांवों से ऑर्गेनिक शहर, चारोली, गोलमबी, टरोटा कॉफी, सोया कॉफी, ऑर्गेनिक चावल, ब्राउन राइस, अमबाडी जेली, अमबाडी पाउडर, बाजरी और ज्वार जैसे उत्पादों की बिक्री होगी। एसएचजी उत्पादों के लिये बाजार केवल स्थानीय आधार और आयोजनों तक सीमित है। हालांकि, को-ऑप शॉप्स एसएचजी के लिये साल भर चलने वाला बाजार देती हैं। इन उत्पादों को को-ऑप शॉप्स में रखा और वहीं से बेचा जाएगा। यह उत्पाद मुख्य रूप से कृषिगत और आदिवासी क्षेत्रों के गैर-कृषि उत्पाद हैं। MVSTF ने बोरी बदरूक फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी के साथ मिलकर को-ऑप शॉप शुरू की है। मोबाइल वैन MVSTF और सुयश एग्रो आयोजक फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी की पहल है, जो महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव डेवलपमेन्ट को-ऑपरेशन के साथ मिलकर की गई है। को-ऑप शॉप के पास उत्पादों की व्यापक श्रृंखला है, जैसे ऑर्गेनिक शहद, चारोली, गोलाम्बी, टारोटा कॉफी, सोया कॉफी, ऑर्गेनिक चावल, ब्राउन राइस, अमबाडी जेली, अमबाडी पाउडर, बाजरी, ज्वार, जो गढ़चिरोली, चंद्रपुर, नंदुरबार, यवतमाल, अकोला, जालना की ग्राम पंचायतों से आते हैं। इस अनूठी पहल के बारे में पहली को- ऑप शॉप का उद्घाटन करने वाले MVSTF के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामनाथ सुब्रमण्यम ने कहा, हमें उम्मीद है कि यह पहल किसानों और एसएचजी को नये और छोटे व्यवसायों की स्थापना और उन्हें बनाये रखने के लिये प्रेरित करेगी और खेती की कमाई से बाहर की आय बढ़ाएगी। यह पहली को-ऑप शॉप है और हम अन्य शहरों में भी जल्दी ही और शॉप्स लाने की योजना बना रहे हैं।

लोकतंत्र में बेतुके कृत्य व बोल राजनीति को दूषित करते हैं!

दिल्ली में चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहे है अप्रत्याषित घटनाए बढती जा रही है। छात्रों का हो रहा आन्दोलन को भी चुनाव की एक कड़ी बताया जा रहा है। उसमे हद तो तब हो गई कि एक धडा पिस्तौल लहराता है तो दूसरा धडा पिस्तौल चला ही देता है। जो हो रहा है लोकतंत्र व राजनीति को दूषित करते हैं। खैर ज्यादा पता तो पुलिसिया कार्यवाही के बाद ही पता चलेगी। बात करें राजनैतिक दलों के प्रचार स्तर की तो प्रचार में उद्देश्यपूर्ण एवं जनकल्याणकारी मुद्दों पर शालीन एवं सार्थक बयानों की बजाय कड़वी भाषा का प्रयोग बताता है कि राजनीतिक स्तर पर कटुता बहुत ज्यादा बढ़ गई है। अगर समाज का एक वर्ग सरकार के किसी कदम से असहमत है तो उसकी शिकायत सुनना, उसकी गलतफहमी दूर करना और सरकार में उसका भरोसा बहाल करना उन्हीं का काम है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध का अधिकार हर व्यक्ति को है। लेकिन इस अधिकार का कोई वर्ग विशेष गलत इस्तेमाल करे तो उसे भी औचित्यपूर्ण नहीं कहा जा सकता। सरकार, समाज और देश के प्रति विषवमन उचित नहीं है। ऐसे विषवमन के खिलाफ भारत के गृहमंत्री हों या वित्त राज्यमंत्री या कोई सांसद यदि माकूल जवाब देते हैं तो उन बयानों को कैसे गलत कहा जा सकता है? नागरिकता कानून के विरोध में गैरकानूनी ढंग से धरना-प्रदर्शन कर रहे लोगों को कैसे जायज माना जा सकता है? सरकार, समाज और देश के प्रति विषवमन उचित नहीं है। सभी दलों में तीखे एवं कड़वे बयानों का प्रचलन बढ़-चढ़ कर हो रहा है। लोकतंत्र में इस तरह के बेतुके एवं अतिश्योक्तिपूर्ण बयान राजनीति को दूषित करते हैं, जो न केवल घातक है बल्कि एक बड़ी विसंगति का द्योतक हैं। राजनीतिक दलों में पनप रही ये कड़वे बोल की संस्कृति को क्या सत्ता हथियाने की राजनीति नहीं माना जाना चाहिए? लोकतंत्र एवं चुनाव प्रक्रिया को दूषित करने की राजनीतिक दलों की चेष्टाओं पर कौन नियंत्रण स्थापित करेगा। कहीं चुनाव सुधार की प्रक्रिया शेष न हो जाए, यह एक गंभीर प्रश्न है। दिल्ली चुनाव का बड़बोलापन अवश्य विवादास्पद बनता जा रहा हैं, अनेक गलत बातों की जड़ चुनाव होते हैं इसलिए वहां निष्पक्षता, शालीनता एवं वाणी का संयम जरूरी है। दिल्ली के इस चुनावी कुंभ में इस प्रकार के हिंसक बयानों की आंधी का भय पहली बार जनता में व्यापक स्तर पर देखने को मिल रहा है। दिल्ली के लोगों की वर्षों से एक मान्यता रही है कि हमारी समस्याओं, संकटों व नैतिक ह्रास को मिटाने के लिए कोई रोशनी अवतरित हो और हम सबको उबारे। कुछ तो राजनीतिक लोग अपनी प्रभावी भूमिका अदा करें ताकि लोगों में विश्वास कायम रहे कि अच्छे आदमी पैदा होने बन्द नहीं हुए हैं। देश, काल और स्थिति के अनुरूप कोई न कोई विरल परिस्थिति एवं राजनीतिक दल सामने आए, विशेष किरदार अदा करे और लोग उसके माध्यम से आश्वस्त हो जाएं, लेकिन इन चुनावों में ऐसा चमत्कार घटित होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है जो अच्छाई-बुराई के बीच भेदरेखा खींच लोगों को मार्ग दिखा सके तथा विश्वास दिला सके कि वे बहुत कुछ बदलने में सक्षम हैं तो लोग उन्हें सिर माथे पर लगा लें। जैसा कि हम जानते हैं कि लोग शीघ्र ही अच्छा देखने के लिए बेताब हैं, उनके सब्र का प्याला भर चुका है।

अशोक भाटिया

अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकीं भारत की दीपशिखा हिंगवानी

जकार्ता मे जीतीं बेस्ट कॉफिडेंट ऑफ मिस इंडिया इंटरनेशनल 2019

दीपशिखा हिंगवानी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। इंडोनेशिया के जकार्ता में हुवे फैशन फिएस्टा मिस इंडिया इंटरनेशनल के फाइनल में दीपशिखा ने बेस्ट कॉफिडेंट ऑफ मिस इंडिया इंटरनेशनल 2019 का खिताब अपने नाम कर लिया है। वो अपनी इस जीत से बेहद खुश और उत्साहित हैं। दीपशिखा को इंडियन फैशन फिएस्टा की डायरेक्टर गुड्डू रूपानी ने अवार्ड से सम्मानित किया। इंडोनेसिया में होने वाले इस साल के इंडियन फैशन फिएस्टा मिस इंडिया इंटरनेशनल 2019 के ग्रैंड फिनाले में दीपशिखा हिंगवानी महाराष्ट्र को रिप्रेजेंट किया था। इंडियन फैशन फिएस्टा की तरफ से निमंत्रण मिलने के बाद, दीपशिखा ढेर सारा उत्साह और उम्मीद लेकर गई थीं। दीपशिखा ने जीत की पूरी तैयारी और कड़ी मेहनत की थी जिसका फल उनहे मिला और वो बेस्ट कॉफिडेंट ऑफ मिस इंडिया इंटरनेशनल 2019 बनकर भारत लौटी। दीपशिखा ने हमसे बात करते हुवे कहा कि हमने जीत की भरपूर तैयारी की थी और कड़ी मेहनत की थी। जिसका फल हमें मिला। बहुत मजा आया इस प्रतिस्प्रधा में हिस्सा लेकर और बहुत कुछ सीखने को मिला जो मेरी ज़िंदगी में आगे बहुत काम आएगा। मैं इस जीत से बेहद खुश हूं। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए दीपशिखा अपनी मां को पूरा श्रेय देती हैं जिनकी मेहनत की वजह से दीपशिखा अपने सर पर इंडियन फैशन फिएस्टा मिस इंडिया इंटरनेशनल के बेस्ट कॉफिडेंट ऑफ मिस इंडिया इंटरनेशनल 2019 जीतकर भारत लौटी हैं। दीपशिखा ने कहा कि मैं आज जो कुछ भी हूं और जो कुछ भी ज़िंदगी मे हासिल किया है या भविष्य में जिस मुकाम तक जाऊंगी, वो सभी कामयाबी मेरी मम्मी की वजह से होगी जिन्होंने हमारी खुशियों के लिए अपने अरमानों की कुर्बानियां दी हैं। उन्होंने हमारी परवरिश से लेकर हर मोड़ पर कड़ी मेहनत की है। मां के साथ पिता हुकूमत हिंगवानी ने भी बेटी पर किसी तरह की रोक नहीं लगाई और बेटी को पंख फैलाने की खूब आजादी दी। दीपशिखा स्टार एयर में एयर होस्टेस हैं जो मॉडलिंग की तरफ कदम बढ़ा रही हैं। इस पेजेंट में मौका मिलना उनके लिए बेहद खास था जो उन्हें अपनी मंज़िल तक पहुंचाने में उनके लिए साबित होने वाला था। अब उन्हें जीत भी मिल चुकी है जिसका फायदा यकीनन उन्हें मिलेगा और उनके लिए मॉडलिंग से लेकर एक्टिंग तक, कई दरवाजे खुलेंगे। वहीं दूसरी तरफ छोटी बहन इशू को भी दीपशिखा से प्रेरणा एवं दिशा मिलेगी।

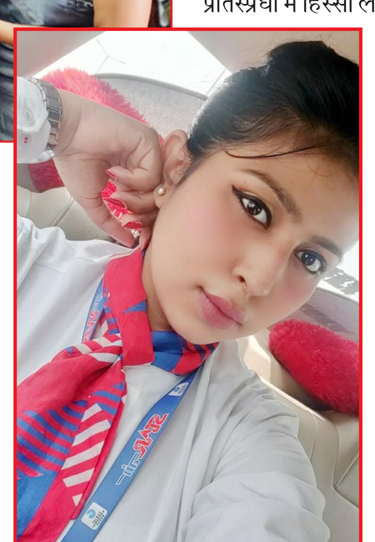

प्रेमी के साथ भागी महिला ने ही की थी 6 माह की बेटी की हत्या, बाद में 2 साल के बेटे को भी बेड बॉक्स में बंद कर मार डाला था

पुलिस की सख्ती पर महिला ने अपना जुर्म कबूला, पति को भी लगाना चाहती थी ठिकाने

चंडीगढ़। अपने ढाई साल के बेटे दिव्यांशु को बेड में बंद कर मारने वाली रूपा ने एक कत्ल नहीं किया, बल्कि इससे पहले अपनी साढ़े 6 महीने की बेटी कोमल की भी हत्या की थी। इस मां ने बच्ची को दूध पिलाने के लिए गोद में उठाया, मासूम जब दूध पी रही थी तो रूपा ने अपने अंगूठे से कोमल की गर्दन की हड्डी दबाकर तोड़ दी, फिर उसका मुंह बंद कर सांसें रोक दी। हत्या करने के बाद रूपा ने उसे लिटा दिया और इसे नेचुरल मौत का रूप दे दिया गया। मौत के एक महीने बाद अब जब बुधवार को बच्ची का शव कब्र से निकालकर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाया। 7 घंटे फॉरेंसिक टीम के साथ चले डॉक्टरों के पोस्टमॉर्टम में खुलासा हुआ कि बच्ची की गर्दन की हड्डी टूटी हुई है और यही उसकी मौत की वजह है। इस पर पुलिस ने रूपा पर बेटे के साथ-साथ अब बेटी के कत्ल का भी केस दर्ज कर लिया है।

दो दिनों से अपनी बेटी की हत्या की वारदात को कबूल न करने वाली रूपा को जब डॉक्टरों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने सख्ती से पूछा, तो रूपा पहले मना करने लगी। जब रूपा को पुलिस ने कहा कि वे जान चुके हैं कि बच्ची की गर्दन की हड्डी तोड़कर तुमने उसे मारा, तो रूपा तुरंत अपना जुर्म मान गई। पुलिस ने रूपा को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

रूपा और उसके पति दशरथ में अनबन थी। रूपा ने अपने ढाई साल के बच्चे को बेड बॉक्स में बंद कर उसकी रविवार को हत्या कर दी थी। उसे तब तक बंद रखा, जब तक वह दम नहीं तोड़ गया। इसमें मासूम बच्चे की दम घुटने से मौत हो गई। यह दिल दहलाने वाली वारदात बुड़ैल के मकान नंबर 1658 की है। घटना का खुलासा रविवार रात 8:30 बजे करीब उस वक्त हुआ था, जब बच्चे का पिता अपना काम खत्म कर घर लौटा। पत्नी और बच्चे को गायब देख वह घबरा गया। उसने जब अपनी पत्नी को फोन किया तो आरोपी महिला ने बताया कि बच्चा बेड बॉक्स के अंदर है। उसके बाद जैसे ही उसने बेड बॉक्स खोला तो अंदर बच्चे का शव पड़ा देख उसने पुलिस को सूचना दी। बाद में पुलिस ने दशरथ के बयानों पर आरोपी पत्नी रूपा के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया था।

दिव्यांग बच्चे ने जिल्द नहीं चढ़ाई तो मैडम ने पानी की टंकी में लटका दिया, फिसलकर टैंक में गिरा

बूंदी। कॉपी पर जिल्द नहीं चढ़ाने से भड़की प्राइवेट स्कूल की एक टीचर ने एलकेजी के छह साल के दिव्यांग स्टूडेंट को पानी की टंकी पर लटका दिया, जो उसके हाथ से फिसलकर टैंक में गिर पड़ा। बच्चा भीगी हुई ड्रेस में घबराया हुआ घर पहुंचा, तो गुस्साए पिता ने स्कूल का गेट बंद कर करीब पौने घंटे तक स्कूल टीचर्स को अंदर बंद रखा। बाद में समझाइश पर गेट खोला। घटना देवपुरा स्थित सेंट्रल एकेडमी की है। राजदीप नामक यह बच्चा दिव्यांग है, उसके पैरों का ऑपरेशन हो चुका। वह लडखड़ाकर चलने लगा है। राजदीप ने बताया कि मैम ने उसे पानी की टंकी पर लटकाया। वह उसे डंडे पीटती रहती है। स्कूल की टीचर्स का कहना था कि बच्चा होमवर्क पूरा नहीं करता, कॉपियों के जिल्द नहीं चढ़ाता, पढ़ाई भी नहीं करता। डायरी में जो भी लिखा जाता है, परिजन उस पर गौर नहीं करते। टैंक में बच्चे को नहीं डाला, केवल पानी की बाल्टी में खड़ा किया गया था। बाद में बच्चे के परिजन युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव चर्मेश शर्मा के नेतृत्व में एडीएम अम्मानुल्ला खान और एसडीएम कमलकुमार मीणा से मिले और अध्यापिका के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

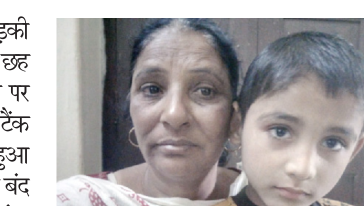

1500 करोड़ की हेरोइन तस्करी का फरार सरगना इटली में पकड़ा गया

अहमदाबाद। पाकिस्तान से समुद्र के रास्ते गुजरात तट के जरिये लाकर जीरे और मसाले लदे ट्रकों में छुपा कर पंजाब भेजी गई 1500 करोड़ रुपये से अधिक की करीब 300 किलो हेरोइन की तस्करी के सनसनीखेज मामले में दो साल से फरार चल रहे मुख्य सरगना सिमरनजीत सिंह संधू को इंटरपोल की रेड कार्नर नोटिस के आधार पर इटली में हिरासत में ले लिया गया है। उस पर पाकिस्तानी के आतंकवादी संगठनों से भी साठगांठ रखने का संदेह है और यह भी आशंका है कि हेरोइन की तस्करी के तार उन संगठनों को पैसा मुहैया कराने से जुड़े हैं। इस मामले के पांच आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके थे पर संधू समेत दो फरार चल रहे थे। गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के प्रमुख हिमांशु शुक्ला ने इसकी पुष्टि करते हुए गुरुवार को बताया कि संधू को कब्जे में लेने के लिए एटीएस अब कदम उठायेगी। इस मामले का खुलासा अगस्त 2018 में हुआ था जब गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले के तटवर्ती सोडसला गांव से एटीएस ने अजीज नाम के एक मछुआरे को पकड़ कर उसके पास से पांच किलो हेरोइन जब्त की। उससे मिली सूचना पर रफीक सुमरा नाम के एक अन्य व्यक्ति को पकड़ा गया।

ब्रिटेन 47 साल बाद यूरोपियन यूनियन से अलग होगा

लंदन। ब्रिटेन के यूरोपियन यूनियन (ईयू) से निकलने की जद्दोजहद शुक्रवार को खत्म हो जाएगी। ईयू संसद ने ब्रेग्जिट समझौते को अपनी मंजूरी दे दी है। इसके तहत ब्रिटेन 31 जनवरी को रात 11 बजे (स्थानीय समयानुसार) यूरोपीय संघ से अलग हो जाएगा। 4 साल तक चली खींचतान के बाद ईयू संसद ने 49 के मुकाबले 621 मतों के बहुमत से ब्रेग्जिट समझौते पर मुहर लगा दी। इस समझौते को ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन ने 2019 के अंत में ईयू के 27 नेताओं के साथ बातचीत के बाद अंतिम रूप दिया था। ब्रिटेन ने जून-2016 में हुए जनमत संग्रह में ब्रेग्जिट को मंजूरी दी थी। हालांकि, ब्रिटेन 2020 के आखिर तक ईयू की आर्थिक व्यवस्था में बना रहेगा, लेकिन उसका नीतिगत मामलों में कोई दखल नहीं होगा। वह ईयू का सदस्य भी नहीं रहेगा।

ब्रिटेन के ईयू से बाहर होने को ही ब्रेग्जिट कहा गया। ईयू में 28 यूरोपीय देशों की आर्थिक और राजनीतिक भागीदारी है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए ईयू बना था। सोच यह थी कि जो देश साथ में व्यापार करेंगे, वो आपस में युद्ध से बचेंगे। ईयू की अपनी मुद्रा यूरो है, 19 सदस्य देश इसका इस्तेमाल करते हैं। ब्रिटेन 1973 में ईयू से जुड़ा था।

ब्रिटेन की यूरोपियन यूनियन में कभी चली ही नहीं। इसके उलट ब्रिटेन के लोगों की जिंदगियों पर ईयू का नियंत्रण ज्यादा है। वह व्यापार के लिए ब्रिटेन पर कई शर्तें लगाता है। ब्रिटेन के राजनीतिक दलों को लगता है कि अरबों पाउंड सालाना सदस्यता फीस देने के बाद भी ब्रिटेन को इससे बहुत फायदा नहीं होता। इसलिए ब्रेग्जिट की मांग उठी थी।

ईयू की संसद में ब्रेग्जिट के लिए मतदान के दौरान भावुक करने वाला माहौल रहा। मतदान के बाद सांसदों ने ब्रिटेन के लिए पारंपरिक गीत गाया। ईयू प्रेसिडेंट उसुर्ला वॉन ने ब्रिटेन के चर्चित लेखक जॉर्ज इलियट की पंक्तियां दोहराते हुए कहा- अलग होने के दुख में ही हम अपने प्रेम की गहराई को देखते हैं। ब्रिटिश सांसदों ने कहा कि हम इस टीम में वापस आएंगे, लॉन्ग लिव यूरोप। वहीं कहीं-कहीं पर ब्रेग्जिट पूरा होने की खुशी भी दिखी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिल्ली चुनावः बीजेपी ने बनाया प्लान, शाहीन बाग और जामिया नगर में रैली कर सकते हैं योगी

लखनऊ। दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) हर प्लान बहुत सोच समझकर बनाने में जुटी है। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और नैशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजंस (एनआरसी) के खिलाफ शाहीन बाग, जामियानगर में प्रदर्शन तेज हैं। कहा जा रहा है कि इन्हीं इलाकों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभाएं कराई जाएंगी। योगी आदित्यनाथ 1 फरवरी से 4 फरवरी तक दिल्ली में रहेंगे।

योगी दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए 12 जनसभाओं को संबोधित करेंगे। पार्टी सूत्रों की ओर से इस बात की जानकारी दी गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री दिल्ली में एक फरवरी को चार जनसभाएं और दो फरवरी को दो जनसभाएं संबोधित करेंगे। वे तीन फरवरी को चार जनसभाएं तथा अगले दिन दो जनसभाएं संबोधित करेंगे।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि दिल्ली विधानसभा

चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों के तौर पर योगी आदित्यनाथ का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बाद सबसे ज्यादा मांग में है। दिल्ली की कई विधानसभाओं में योगी के गढ़ माने जाने वाले पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग बहुतायत में रहते हैं।

बता दें कि हाल ही में दिल्ली के शाहीन बाग और लखनऊ के घंटाघर पर नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ महिलाओं के प्रदर्शन पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने तीखा हमला किया था। कानपुर में आयोजित एक जनसभा के दौरान उन्होंने कहा था कि कुछ लोगों में इतनी हिम्मत नहीं कि वे स्वयं आंदोलन करें, इसलिए घर की महिलाओं और बच्चों को चौराहों पर बैठा दिया है। सीएम योगी ने कहा कि पुरुष घर में रजाई में सो रहे हैं और महिलाएं चौराहे पर हैं।

कानपुर में सीएए के समर्थन में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रदर्शन के नाम पर हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष देश के दुश्मनों की भाषा बोल रहा है। हिंसा करने वालों के साथ वसूली की जाएगी। विपक्ष के रवैये से देश के दुश्मनों के हौसले बुलंद हो गए हैं। भारत को बदनाम करने का अभियान चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस, लेफ्ट और एनजीओ लोगों को भड़का रहे हैं। हमें मौन नहीं रहना है। कांग्रेस नेता कह चुके हैं कि जब तक आईएसआई के एजेंटों की भारत में एंट्री नहीं करा लेते तब तक नहीं मानेंगे।

दुनिया में देश की छवि खराब कर रही बीजेपीः अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बीजेपी की गलत नीतियों के चलते आज सीएए पर दुनिया के सामने भारत को सफाई देनी पड़ रही है। यूरोपीय संघ की संसद में नागरिकता कानून को लेकर विरोध प्रस्ताव पास किए गए हैं।

यूरोपीय संघ की संसद में 751 सदस्य हैं, जिनमें 560 सांसद इस कानून के विरोध में हैं। उन्होंने भारत में विपक्ष पर पुलिस के बल प्रयोग की जांच किए जाने की भी मांग की है। अमेरिका के कुछ सांसदों ने भी विरोध में अपनी आवाज दर्ज कराई है। भारत के लोकतांत्रिक और धर्म निरपेक्ष स्वरूप पर उंगली उठाई जा रही है। बुधवार को जारी बयान में एसपी मुखिया ने कहा कि केन्द्र सरकार ने सीएए के बाद एनपीआर और एनआरसी कानून लाने का इरादा घोषित कर रखा है। गोद में बच्चे लिए महिलाएं तक इसके विरोध में देश के विभिन्न भागों में ठण्ड में ठिठुरती हुई धरना दे रही हैं। बीजेपी इन महिलाओं को अपमानित कर रही है।

अरविंद केजरीवाल की पार्टी में पीके? दिल्ली के फैसले के दिन बिहार में कर सकते हैं बड़ा ऐलान

पटना। अपने बगावती तेवरों के कारण जनता दल यूनाइटेड से निष्कासित हुए प्रशांत किशोर ने गुरुवार को एक बड़ा बयान दिया। पीके ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह आगामी 11 फरवरी को अपने आगे के सफर के बारे में बड़ा ऐलान करेंगे। हालांकि प्रशांत किशोर ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह राजनीतिक जीवन में ही काम करेंगे या इस क्षेत्र से बाहर होंगे। हालांकि 11 फरवरी की तारीख इसलिए अहम है, क्योंकि इस दिन दिल्ली चुनाव के परिणामों का ऐलान भी होना है।

गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं औपचारिक रूप से 11 फरवरी को पटना में अपने राजनीतिक भविष्य के बारे में आधिकारिक रूप से ऐलान करूंगा। तब तक मैं किसी से भी बात नहीं करने

वाला हूं। पूर्व में यह अटकलें लगाई जा रही थीं, कि प्रशांत किशोर ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस या किसी अन्य पार्टी का हाथ थाम सकते हैं। हालांकि प्रशांत ने ऐसी किसी भी संभावना से इनकार किया। वहीं लालू यादव के बेटे तेज प्रताप यादव ने राष्ट्रीय जनता दल की ओर से कहा है कि प्रशांत किशोर अगर चाहें तो वह हमारी पार्टी के साथ आ सकते हैं।

प्रशांत किशोर के इस बयान को दिल्ली के चुनाव परिणामों से जोड़कर देखा जा रहा है। जेडीयू ने निष्कासित प्रशांत किशोर ने कुछ वक्त पहले राजनीतिक रणनीतिकार के रूप में दिल्ली चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के साथ हाथ मिलाया था। प्रशांत दिल्ली चुनाव में अरविंद केजरीवाल के चुनावी कैंपेन में जुटे हुए हैं। 8 फरवरी को दिल्ली के चुनाव का मतदान होना है और 11 फरवरी को वोटों की गिनती कराई जानी है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि प्रशांत दिल्ली चुनाव के परिणामों के बाद अपने राजनीतिक भविष्य के विषय में बड़ा ऐलान कर सकते हैं।

इससे पहले पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप के बाद जेडीयू से निष्कासित होकर पीके ने अपने ट्वीट में लिखा, 'धन्यवाद नीतीश कुमार। बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाए रखने के लिए आपको मेरी शुभकामनाएं। भगवान आपका भला करें।' उधर, पवन वर्मा ने करीब एक घंटे बाद ट्वीट कर लिखा, 'शुक्रिया नीतीश कुमार जी, आपको और आपकी नीतियों का बचाव करने की मेरी अस्थिर पोजीशन से मुझे मुक्त करने के लिए।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं आपको हर कीमत पर बिहार का मुख्यमंत्री बने रहने की आपकी महत्वाकांक्षा के लिए कामना करता हूं।'

मोदी ने अपना प्रचार करने के लिए गांधी के नाम का गलत इस्तेमाल कियाः रामचंद्र गुहा

अहमदाबाद। जाने माने इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना प्रचार करने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम का गलत इस्तेमाल किया है साथ ही उन्होंने प्रश्न किया कि क्या प्रधानमंत्री बनने से पहले भी वह गांधी को पसंद करते थे।गुहा यहां राष्ट्रपिता के पुण्यतिथि पर एक व्याख्यान देने के लिए आए थे। उन्होंने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के लिए भाजपा नीत केन्द्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अगर बापू जिंदा होते तो वह इसका विरोध करते।साथ ही उन्होंने साबरमती आश्रम संरक्षण एवं स्मारक न्यास के न्यासी कार्तिकेय साराभाई को

भी सलाह दी कि प्रधानमंत्री बनने के बाद आश्रम को मोदी से दूरी रखनी चाहिए थी। गुहा ने सीएए के खिलाफ आवाज नहीं उठाने पर साबरमती आश्रम तथा अन्य गांधी संस्थानों जैसे गुजरात विद्यापीठ की भी आलोचना की। महात्मा गांधी की जीवनी लिखने वाले गुहा ने कहा,द्यद्यमई 2014 के बाद से आपको (साराभाई तथा अन्य न्यासियों) प्रधानमंत्री से हाथ भर की दूरी बना कर रखनी चाहिए थी। क्या प्रधानमंत्री बनने से पहले वह गांधी को पसंद करते थे?

उन्होंने अपना प्रचार करने के लिए गांधी के नाम का गलत इस्तेमाल किया। व्याख्यान के बाद सवाल-जवाब के दौर में गुहा ने कहा, द्यद्यगांधी अगर जिंदा होते, तो वह सीएए का विरोध करते। गांधी को गलत बताना प्रधानमंत्री की धोखेबाजी है।

स्वर्ण अक्षरों से लिखी कुरान के लूट मामले में सरगना गिरफ्तार, कुरान बरामद

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने 15 वीं सदी की स्वर्ण अक्षरों से लिखी गई बेशकीमती कुरान को खरीदने के बहाने लूटने वाले गिरोह के एक सरगना को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कुरान बरामद कर ली है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजीव पचार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी जमवारामगढ़ के राहोरी गांव निवासी बनवारी मीणा (30) के कब्जे से लूटी गई कुरान बरामद कर ली गयी है। स्वर्ण अक्षरो से लिखी गई यह बेशकीमती कुरान 1014 पन्नों की है।

आरोपी जयपुर ग्रामीण के चंदवाजी थाना, भीलवाड़ा जिले के सुभाष नगर इलाकों में डकैती, चोरी व धोखाधड़ी के आपराधिक मुकदमों में वांछित चल रहा था। इससे पहले इस गिरोह के दो सदस्यों को नकली नोट मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि गिरोह के सरगना सहित तीन लोगों ने भीलवाड़ा में कुरान को पिछले वर्ष अक्टूबर-नवंबर माह में लूटा था। यह गिरोह लूटी गई कुरान को बांग्लादेश में 16 करोड़ रूपए में बेचने की फिराक में था। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक

जांच से पता चला कि कुरान शरीफ की बहुमूल्य पुस्तक के मालिक से गिरोह के सदस्यों ने सौदा कर उसके साथ मारपीट की। इसके बाद उसे बिना पैसा दिये कुरान लेकर फरार हो गये। उन्होंने बताया कि लूटी गई कुरान के संबंध में भीलवाड़ा के योगेन्द्र सिंह मेहता ने मामला दर्ज करवाया था।

मुंबई में हरियाली देखनी हो तो रानीबाग जरूर जाएं

मुंबई के भायखला स्थित वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान (रानीबाग) में शुक्रवार से तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। 31 जनवरी से 2 फरवरी तक होने वाली इस प्रदर्शनी का यह 25वां साल है। इस बार प्रदर्शनी में 25,000 पौधों को लगाया गया है। बच्चों के आकर्षण के लिए पौधों से गेटवे ऑफ इंडिया, बुढ़िया का जूता, ट्राम, कपड़े की मिल, शूटिंग कैमरा, पेंग्विन, सेल्फी पॉइंट तैयार किए गए हैं। पिछले दिनों रानीबाग में भारत का पहला फ्री बर्ड एविअरी स्थापित किया गया है।

महापौर किशोरी पेडणेकर के हाथों 31 जनवरी इसका उद्घाटन होगा। इस दौरान मियावॉकी उद्यान, घर में पौधे, निसर्ग उद्यान, कचरे से खाद निर्मित, वटवृक्ष, आधुनिक जीवनशैली और आयुर्वेद समेत अन्य विषयों पर विशेष सत्र भी आयोजित होगा, जिसमें इच्छुक लोग हिस्सा ले सकते हैं। रानीबाग में पिछले दिनों ही बीएमसी द्वारा भारत का पहला फ्री बर्ड एविअरी स्थापित किया गया है। यह देश में सबसे बड़ा और सबसे ऊंचा बर्ड एविअरी है। पांच मंजिला बर्ड कॉरिडोर में कुल 6 हॉल हैं

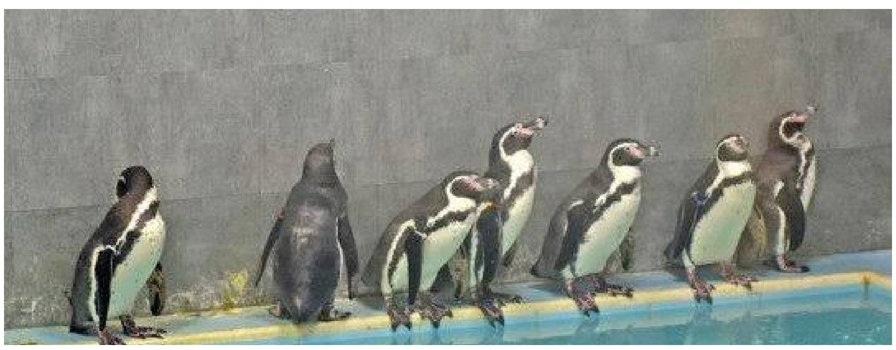

और इसे बनाने में 2 साल का समय लगा है।

इस एविअरी के पांच हॉल में नए आए कछुए, भालू, तरस और लकड़बग्घों को रखा जाएगा। यहां से लोग जानवरों को नजदीक से देख सकें, इसके लिए विशेष कांच लगाए गए हैं। लोग जानवरों के साथ सेल्फी भी ले सकेंगे। 44 फुट ऊंचे, 18234 स्क्वायर फुट क्षेत्रफल में फैले इस कॉरिडोर में देश-विदेश से आए जानवरों और पक्षियों को रखा जाएगा। रानीबाग का हाल ही में सौंदर्यीकरण और आधुनिकीकरण किया गया है। साथ ही देश-विदेश के 100 से अधिक पक्षी और जानवर रानीबाग लाए गए हैं।

भारत में इन जगहों पर नहीं मिलती इंडियन टूरिस्ट्स को एंट्री

भारत का संविधान यहां के नागरिकों को देश के किसी भी कोने में जाने की पूरी आजादी देता है। लेकिन देश में कुछ ऐसे स्थान भी मौजूद हैं, जहां भारतीयों के जाने पर रोक लगी हुई है। इन स्थानों पर सिर्फ विदेशी नागरिक ही जा सकते हैं। यहां हम आपको देश के कुछ ऐसे ही स्थानों के बारे में बता रहे हैं।

ऊनो-इन होटल, बेंगलुरु

बेंगलुरु शहर में स्थित इस होटल को साल 2012 में बनाया गया था। यह होटल जापान के सैलानियों के लिए बनाया गया था। होटल के स्टाफ ने कथित तौर से भारतीय नागरिकों को होटल में जाने से रोक दिया था, जिसके बाद 2014 सरकार ने जातीय भेदभाव के आरोप में इस होटल को सील कर दिया था।

फ्रीकसोल कैफे, कसोल

यह कैफे हिमाचल प्रदेश के फेमस टूरिस्ट डेस्टिनेशन कसोल में स्थित है। इस कैफे में सबसे ज्यादा इजरायली पर्यटक ही आते हैं। साल 2015 में इस कैफे के ओनर ने कथित तौर पर एक भारतीय महिला को सर्व करने से मना कर दिया। विवाद बढ़ने पर कैफे ओनर ने सफाई देते हुए कहा था कि यहां आने वालों में ज्यादातर भारतीय पुरुष होते हैं, जो दूसरे सैलानियों के साथ गलत व्यवहार करते हैं।

रेड लॉलिपॉप हॉस्टल, चेन्नै

चेन्नै के मंडावेली इलाके स्थित इस हॉस्टल में सिर्फ विदेशी सैलानियों को एंट्री मिलती है। भारतीय नागरिकों को नहीं। इस हॉस्टल में वही लोग ठहर सकते हैं।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। लेटलतीफी कार्यालय में भारी पड़ सकती है। किसी से पैसों के लेनदेन में सावधानी बरतें।

सिंह
नौकरी में पदोन्नति के साथ स्थानांतर के योग बन रहे हैं। नए दायित्व को लेकर खुशी मिल सकती है। कोई पुरानी बीमारी अचानक उभर सकती है।

धनु
कार्यालय में कुछ परेशानी आ सकती है। आपकी लापरवाही से अधिकारी के आक्रोश का शिकार हो सकते हैं। अपने दायित्व को ठीक तरह से निभाएं।

वृष
मौसम की प्रतिकूलता स्वास्थ्य पर असर डाल सकती है इसलिये सचेत रहें। व्यापार में नुकसान उठाना पड़ सकता है। धार्मिक आयोजनों में सक्रियता से हिस्सा लेंगे।

कन्या
कहीं से नौकरी को लेकर आकर्षक प्रस्ताव सामने आ सकता है लेकिन अपने विवेक से सोच समझकर ही निर्णय लें। व्यापार में लाभ के अवसर मिल रहे हैं।

मकर
आपका मनमाना रवैया दूसरों को परेशानी में डाल सकता है। काम में लापरवाही भारी पड़ सकती है। मौसम का परिवर्तन स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है।

मिथुन
कोई आपको बरगलाने का प्रयास कर सकता है इसलिये सावधान रहें। आर्थिक मसलों को पारदर्शिता से निपटाएं। व्यापार में लाभ की संभावना है।

तुला
मेहमानों के आगमन से घर में खुशी का माहौल रहेगा। कोई अपना ही आपको भ्रमित कर सकता है इसलिये सतर्क रहें। बुजुर्गों के मार्गदर्शन को महत्व दें।

कुंभ
परिवार के लोगों के साथ धार्मिक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। यात्रा के दौरान चोरी, दुर्घटना का भय भी है। बच्चों के शैक्षणिक भविष्य की चिंता परेशान कर सकती है।

कर्क
कोई अनचाहा कार्य आपको परेशानी में डाल सकता है। अपने कार्य के प्रति लापरवाही ठीक नहीं है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेंगे।

वृश्चिक
अविवाहितों को विवाह के मौके मिल सकते हैं। परिवार में खुशी का क्षण उपस्थित हो सकता है। मौसमी बीमारियों से कुछ परेशानी हो सकती है।

मीन
दिन शुभ रहेगा। आपकी सक्रियता और कार्यशैली लोगों के बीच चर्चा का विषय बन सकती है। अभी कहीं यात्रा का कार्यक्रम बनाने से बचें क्योंकि समय अनुकूल नहीं है।

पर्यटकों को लुभाने की नई पहल, औरंगाबाद में जापानी रेस्तरां

पर्यटन के लिहाज से महाराष्ट्र भारत के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक है। महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में कई सारे टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स मौजूद हैं, जिनमें फेमस अजंता और एलोरा की गुफाएं भी शामिल हैं। यहां आने वाले विदेशी सैलानियों में जापान के लोगों संख्या काफी होती है। ऐसे में औरंगाबाद, अजंता और वेरुल में बौद्ध जापानी पर्यटकों की प्रवाह को देखते हुए महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम (एमटीडीसी) औरंगाबाद में जापानी रेस्तरां शुरू किया है। रेस्तरां में भारतीय भोजन के साथ अब जापानी भोजन भी उपलब्ध किया है।

हाल ही में जापान के वाकायामा प्रांत के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस रेस्तरां का उद्घाटन किया। प्रतिनिधिमंडल में वाकायामा प्रांत के विधिमंडल सदस्य और भारत में वाकायामा के प्रतिनिधि शामिल थे। इस उद्घाटन के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने रेस्तरां में सुशी, टेंपुरा, रामेन नूडल्स, चिकन तुरीनोकरागे, मीसोसुप सहित भारतीय भोजन मुहैया कराया। वाकायामा प्रांत के विधिमंडल सदस्य नाकाशीनी ने कहा कि जापानी लोग भारतीय भोजन बहुत पसंद करते हैं। इनमें भारतीय करी, चपाती, रोटी, चिकन तंदूरी, समोसा प्रमुख हैं। नाकाशीनी ने आगे कहा कि इस रेंस्तरां के शुरू हो जाने के बाद औरंगाबाद में जापानी भोजन उपलब्ध होने से जापान के पर्यटकों को काफी सुविधा होगी। एमटीडीसी का कदम निश्चित रूप से सकारात्मक है। एमटीडीसी के प्रबंध निदेशक अभिमन्यु काले ने कहा कि विश्व धरोहर स्थल अजंता की गुफाओं के कारण जापानी पर्यटक औरंगाबाद घूमने आते हैं। यह जापानी रेस्तरां पर्यटकों को विशेष सेवाएं प्रदान करेगा। साथ ही यह निश्चित रूप से पर्यटकों की वृद्धि में योगदान देगा।

बार्सिलोना के लिए 500 मैच जीत मेसी ने रचा इतिहास, स्पेनिश लीग के क्वार्टर फाइनल में टीम

नई दिल्ली। बार्सिलोना ने लेगनेस को स्पेनिश फुटबॉल लीग के निर्णायक मुकाबले में 5-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। लेगनेस पर मिली इस जीत के साथ लियोनल मेसी ने बार्सिलोना के लिए खेलते हुए 500 मैचों में जीत हासिल की। ऐसा करने वाले मेसी पहले स्पेनिश फुटबॉलर हैं। मेसी के बाद बार्सिलोना के पूर्व खिलाड़ी जावी हेरनादिज ने 476 मैच और एंड्रेस इनिएस्टा ने 459 मुकाबले जीते हैं। मेसी ने बार्सिलोना की ओर से खेलते हुए 16 अक्तूबर 2004 को पहली जीत दर्ज की थी। तब टीम ने स्पेन के ही फुटबॉल क्लब इस्पानयोल को हराया था। अब तक उन्होंने 86 अलग-अलग क्लब के खिलाफ 500 जीत दर्ज की हैं। इनमें बार्सिलोना ने सबसे अधिक बार सेविला के खिलाफ 29 मुकाबले जीते हैं।

आईएसएलः एफसी गोवा लगातार दूसरी जीत से टॉप पर पहुंचा

भुवनेश्वर। जैकीचंद सिंह के दो गोलों की मदद से एफसी गोवा ने बुधवार को यहां मेजबान ओडिशा एफसी को 4-2 से हराकर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। एफसी गोवा ने 21वें मिनट में विनीत राय के आत्मघाती गोल से बढ़त बनाई। इसके बाद जैकीचंद ने 24वें और 26वें मिनट में करके गोवा को 3-0 से आगे कर दिया और उसने हाफ टाइम तक यह बढ़त बरकरार रखी।

ओडिशा ने दूसरे हाफ में मैनुएल ओनवु के दो गोल (59वें और 65वें मिनट) से वापसी लेकिन वह बराबरी का गोल नहीं कर पाया। फेरियन कोरोमिनास ने 90वें मिनट में गोवा की तरफ से चौथा गोल करके उसकी जीत सुनिश्चित कर दी।

यह इस सत्र में गोवा की 9वीं जीत है। उसके अब 30 अंक हो गए हैं और वह एटीके (27) से आगे टॉप पर पहुंच गया है। ओडिशा एफसी सीजन की छठी और लगातार दूसरी हार के बाद 21 अंक लेकर चौथे स्थान पर कायम है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत के बाद जोकोविच ने फेडरर के लिए कही 'सम्मान' की बात

मेलबर्न। सर्बिया के स्टार नोवाक जोकोविच ने स्विट्जरलैंड के दिग्गज रोजर फेडरर की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और गुरुवार को रेकॉर्ड आठवीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जगह बनाई। हालांकि जोकोविच ने जीत के बाद भी फेडरर के लिए 'सम्मान' की बात कही।

इन दोनों के बीच 50वें मुकाबले में सर्बियाई खिलाड़ी ने शुरूआत में थोड़ी ढिलाई बरती, फिर स्विट्जरलैंड के दिग्गज को 7-6 (7/1), 6-4, 6-3 से हराया।

मौजूदा चैंपियन जोकोविच ने 26वीं बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंचने के बाद कहा, 'सेमीफाइनल में कोर्ट पर उतरने के लिए रोजर का आभार, उनके लिए सम्मान क्योंकि वह वास्तव में चोटिल थे और यहां तक कि अच्छी तरह से मूवमेंट भी नहीं कर पा रहे थे। जोकोविच ने कहा, उन्होंने पहले सेट में अच्छी शुरूआत की और मैं थोड़ा नर्वस था। मेरे लिए पहला सेट जीतना महत्वपूर्ण था। मानसिक रूप से मैं उसके बाद सहज हो गया था।

मेलबर्न में यह चौथा अवसर है जबकि जोकोविच ने सेमीफाइनल में फेडरर को हराया। इससे पहले 2008, 2011 और 2016 में भी उन्होंने फेडरर को सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ने दिया था। यहां 2018 में खिताब जीतने वाले फेडरर ग्रोइन की चोट के बावजूद कोर्ट पर उतरे थे। वह टेनिस सैंडग्रेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में चोटिल हो गए थे।

फेडरर को मैच से पहले अपने दायें पांव के ऊपरी हिस्से में पट्टी बांधे हुए देखा गया था। उन्होंने अपने करियर में केवल चार बार विरोधी खिलाड़ी को वॉकओवर दिया है।

रानी रामपाल को वर्ल्ड गेम्स ऐथलीट ऑफ द इयर पुरस्कार

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की कप्तान रानी रामपाल गुरुवार को विश्व की पहली हॉकी खिलाड़ी बन गईं जिन्होंने प्रतिष्ठित वर्ल्ड गेम्स ऐथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता। द वर्ल्ड गेम्स ने विश्व भर के खेल प्रेमियों द्वारा 20 दिन के मतदान के बाद गुरुवार को विजेता की घोषणा की।

उसने बयान में कहा, भारतीय हॉकी की सुपरस्टार रानी वर्ल्ड गेम्स ऐथलीट ऑफ द ईयर 2019 हैं। इसमें कहा गया है, रानी 199,477 मतों की प्रभावशाली संख्या के साथ वर्ष की खिलाड़ी बनने की दौड़ में स्पष्ट विजेता के रूप में उभरी। इसमें जनवरी में 20 दिनों में विश्व भर के खेल प्रेमियों ने अपने पसंदीदा खिलाड़ी के लिए मतदान किया। इस दौरान कुल 705,610 मत पड़े। पिछले साल भारत ने एफआईएच सीरीज फाइनल्स जीता था और रानी को टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। रानी की अगुवाई में ही भारत ने तीसरी बार ओलिंपिक खेलों के लिए क्वॉलिफाइ किया।

हाल में पदमश्री पुरस्कार के लिए चुनी गईं रानी ने कहा, मैं यह पुरस्कार पूरे हॉकी समुदाय, मेरी टीम और मेरे देश को समर्पित करती हूं। यह सफलता हॉकी प्रेमियों, प्रशंसकों, मेरी टीम, प्रशिक्षकों, हॉकी इंडिया, मेरी सरकार, बॉलिवुड के मित्रों, साथी खिलाड़ियों और देशवासियों के प्यार और समर्थन से ही संभव हो पायी जिन्होंने मेरे लिये लगातार वोट किया।

उन्होंने कहा, एफआईएच का मुझे इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिये नामित करने के लिये विशेष आभार। वर्ल्ड गेम्स फेडरेशन का इस सम्मान के लिये आभार। इस पुरस्कार के लिए विभिन्न खेलों के 25 खिलाड़ियों को नामित किया गया था। एफआईएच ने रानी के नाम की सिफारिश की थी। अंतरराष्ट्रीय हाकी महासंघ (एफआईएच) ने ट्वीट करके रानी को बधाई दी। पुरस्कार की इस दौड़ में उक्रेन के कराटे खिलाड़ी स्टेनिसलाव होरुना दूसरे स्थान पर जबकि कनाडा की पावरलिफ्टिंग विश्व चैंपियन रिया स्टिन तीसरे स्थान पर रहीं।

रिक्शा चालक का बेटा परिवेश धाकड़ लगाएगा इंटरनैशनल किक

फरीदाबाद। रिक्शा चलाकर परिवार का पालन पोषण करने वाले कमल किशोर आज अपने बेटे की सफलता को देखकर बहुत खुश हैं। उनका इकलौता बेटा परिवेश धाकड़ ओपन इंटरनैशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप के 79 किलोग्राम भार वर्ग में दमखम दिखाने को तैयार है। परिवेश दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होने वाली इस चैंपियनशिप में पदक जीतने के लिए स्कूल खत्म होने के बाद 2 से 3 घंटे तक मेहनत कर रहे हैं।

कमल किशोर एनआईटी-5 के डी-ब्लॉक में किराए के एक कमरे में रहते हैं। परिवार में कमल, उनकी पत्नी व बेटा परिवेश धाकड़ हैं। परिवेश एनआईटी-5 के सेंट जोसफ कॉन्वेंट स्कूल में 12वीं

कक्षा के छात्र हैं। उन्होंने 10वीं में 82 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। अब वह 12वीं की पढ़ाई कर रहे हैं। जिला, प्रदेश और नैशनल स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने इंटरनैशनल प्रतिस्पर्धा के लिए जगह बनाई है। इंटरनैशनल चैंपियनशिप 10 से 13 फरवरी तक तालकटोरा स्टेडियम में होगी, जिसमें करीब 12 देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे।

आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण परिवेश शुरू में खेलों से दूर रहे। उनका ध्यान केवल पढ़ाई पर था, ताकि वह डिफेंस में जाकर देश की सेवा कर सकें, लेकिन डेढ़ साल पहले परिवेश घूमते हुए एनआईटी-3 स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में पहुंचे, जहां ट्रेनर लक्ष्मण ट्रेनिंग दे रहे थे। इसके बाद परिवेश ने खेल जाना और सीखा। खेल को सीखने से पहले उन्हें पिता के विरोध का भी सामना करना पड़ा, लेकिन धीरे-धीरे वे इसके लिए तैयार हो गए। परिवेश को वाको इंडिया किकबॉक्सिंग महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल ने भी प्रैक्टिस कराई।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिलों में स्पॉर्ट्स है तो इसका मतलब तापसी पन्नू हो तुम...

इस बात में कोई शक नहीं है कि तापसी पन्नू आज बॉलिवुड की सबसे टैलेंटेड ऐक्ट्रेसेस में से एक हैं। हर फिल्म के साथ अपनी पावरपैक परफॉर्मेंस से उन्होंने खुद को साबित किया है। यही वजह है कि अब उन्होंने फैंस के दिलों में खास जगह बनाई है। तापसी ने बॉलिवुड को 'बेबी', 'पिंक', 'नाम शबाना', 'जुड़वा 2', 'मुल्क', 'बदला' जैसी तमाम सुपरहिट फिल्में दी हैं। बेहतरीन फिल्मों के सिलेक्शन के कारण अब वह डायरेक्टर की पहली पसंद बनती जा रही हैं। तापसी अब लीड रोल्स वाली, वुमन सेंट्रिक फिल्में और बायॉपिक्स कर रही हैं और ऑडियंस को थिअटर तक खींचने में भी कामयाब हैं। तापसी की फिल्मों के रेकॉर्ड को देखें तो ऐसा लगता है कि वह स्पॉर्ट्स बेस्ड फिल्मों की पहली चॉइस बन गई हैं। हाल ही में उनकी अपकमिंग फिल्म शाबाश मितु' का भी पोस्टर रिलीज किया गया जिसमें वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज के रोल में नजर आ रही हैं। यहां हम ऐक्ट्रेस की कुछ ऐसी ही मूवीज के बारे में बता रहे हैं जिन्हें देख आप भी कहेंगे, दिलों में स्पॉर्ट्स है तो इसका मतलब तापसी हो तुम...।

सारा अली खान ने कार्तिक आर्यन से पूछा, रिलेशनशिप के लिए तैयार हो पर शादी के लिए नहीं?

सारा अली खान और कार्तिक आर्यन अपनी अपकमिंग फिल्म 'लव आज कल' को जोर-शोर से प्रमोट कर रहे हैं। दोनों के रिलेशनशिप की कई खबरें आ चुकी हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों को इसी फिल्म के सेट्स पर प्यार हुआ था। अब खबरें हैं कि सारा और कार्तिक की राहें अलग हो चुकी हैं और दोनों प्रफेशनल रीजन से एक साथ आए हैं। दोनों हाल ही में एक शो के सेट्स पर गए और वहां उनके बीच काफी मजेदार इंटरैक्शन हुआ। खबर के मुताबिक, सारा और कार्तिक गेम ऑफ ट्रुथ खेल रहे थे जिसके दौरान कार्तिक ने कहा कि वह अभी शादी के लिए तैयार नहीं हैं क्योंकि वह करियर पर फोकस करना चाहते हैं। इस पर सारा ने पूछा, आप रिलेशनशिप के लिए तैयार हैं लेकिन शादी के लिए नहीं? मजेदार बात ये थी कि कार्तिक ने यह भी कहा कि वह अपनी एक्स गर्लफ्रेंड के साथ दोस्ती रखने में कम्फर्टेबल नहीं है। वहीं सारा ने इसका बिल्कुल उल्टा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने एक्स के साथ दोस्ती रखने में कोई दिक्कत नहीं।

मुझे नहीं लगता कि मैं सफल हूं: दिशा पाटनी

बॉलिवुड में इन दिनों सबसे अधिक चर्चा दिशा पटानी की रहती है। चाहें वह कोई फिल्म कर रहीं हों या ना कर रही हों, इंडस्ट्री में पटानी हमेशा ही चर्चा में बनी रहती हैं। अपनी मासूमियत और खूबसूरती के कारण वह फैंस के दिलों पर तो राज करती ही हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी उनका प्रदर्शन अब तक बेहतर रहा है। हालांकि पटानी अभी खुद को सक्सेसफुल नहीं मानती। उनका मानना है कि अभी उन्हें बहुत कुछ करना है। दिशा पटानी की फिल्म 'मलंग' आ रही है। पोस्टर और ट्रेलर के साथ ही यह फिल्म जबरदस्त चर्चा में है। आदित्य रॉय कपूर के साथ दिशा की बॉन्डिंग फैंस को खूब पसंद आ रही है। फिल्म के गाने पहले ही हिट हैं। इसके अलावा वह सलमान खान के साथ फिल्म 'राधे' कर रही हैं। इस बीच एक इंटरव्यू में दिशा ने कहा, मैं खुश हूं कि मेरे पास काफी काम हैं और मैं सभी में बेस्ट देने की कोशिश कर रही हूं। मैं इसका श्रेय अपने माता-पिता को देती हूं। अगर उस रात मेरी मां ने मेरा समर्थन नहीं किया होता जब मैं विकल्पों को लेकर उलझन में थी तो शायद मैं आज यहां तक नहीं पहुंचती। उन्होंने मुझे इस पेशे में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। मैंने जो कुछ भी किया है, मुझे नहीं लगता कि मैं अभी तक सफल हूं।